International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 10 Issue 5, September-October, 2022, Impact Factor: 7.326

डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव द्वारा किए गए सामाजिक कार्य : एक समालोचनात्मक अध्ययन 'हरियाणा के संदर्भ में'

सुनील कुमार

सारांश

प्रस्तुत शोधपत्र में गाँधीवादी विचारक और अपने आचरण से गाँधी के विचारों का दृढ़ता के साथ स्थापित कर डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव ने राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं सद्भावना को मजबूत करने हेतु पूरे देश के लाखों नौजवानों को प्रेरित किया और चम्बल घाटी के विकास और देश के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सुब्बाराव के हरियाणा प्रदेश में किए गए सामाजिक कार्य जैसे– शांति, सद्भावना, भाईचारा का प्रचार–प्रसार, सद्भावना रेलयात्रा, युवाओं को दिशा–निर्देशन, नशा और प्रदेश को अपराधमुक्त बनाने, मूल्य परिवर्तन करना ही क्रांति, महिला सशक्तिकरण में सहयोग तथा नशा भगाओं–पौधे लगाओं–जल बचाओं अभियान और जल चेतना आदि में हरियाणा युवा शक्ति के द्वारा डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के मार्गदर्शन में अभियान चलाए गए जो सर्वधर्म प्रार्थना व शिविरों के माध्यम से भी युवाओं को निर्देशन दिया है। *नई दुनियाँ* के एक संपादकीय में लिखा था– सुब्बाराव का नाम भारत में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक एक ऐसे अनूठे व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है जिसने लाखों लोगों के रचनात्मकता को गाँधीवादी धारा से जीवंत रूप से जोड़ा। वे जब अपनी यात्रा अपने अभियान और जागरण का भारतीय रूप से जोड़ा। वे जब अपनी यात्रा अपने अभियान और जागरण का भारतीय रूप लेकर जन–जन के बीच निकलते हैं तो लगता मानों सेवा, साधना, शांति एवं प्रेम का एक चलित तपोवन उनकी यात्रा में शरीक है। सुब्बाराव ने हरियाणा प्रदेश में अनेक अभियान चलाएं व युवाओं का मार्गदर्शन किया।

मुख्य शब्दः सुब्बाराव, सशक्तिकरण, सद्भावना, समालोचना।

हरियाणा की पृष्ठभूमि

किसी समाज की संस्कृति के स्वरूप तथा प्रकृति के सत्य को जानने के लिए सबसे पहले भौगोलिक प्रदेश का ज्ञान आवश्यक है, क्योंकि सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण पर भौगोलिक स्थिति का गहरा प्रभाव पड़ता है। हरियाणा प्रदेश कृषि जिसकी सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था का आधार है। हरियाणा उत्तर भारत का एक प्रदेश है जो 1 नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग प्रदेश बनाया गया। हरियाणा प्रदेश 27.39′ से 30.55′ उत्तरी अक्षांश और 74.28′ से 77.36′ पूर्वी रेखांश के मध्य स्थित है।[1] हरियाणा प्रदेश के उत्तर में शिवालिक की पहाड़ियाँ एवं इसकी सीमाएँ उत्तर में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश इसके दक्षिण में अरावली की पहाड़ियाँ और राजस्थान का मरू प्रदेश है। उत्तर–प्रदेश तथा यमुना नदी इसकी पूर्वी सीमा निर्धारित करती हैं तथा उत्तर–प्रदेश से अलग करती हैं।[2]

भारत की राजधानी दिल्ली के तीन तरफ हरियाणा प्रदेश की सीमाएँ लगती हैं जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का बड़ा हिस्सा हरियाणा में शामिल है। हरियाणा प्रदेश की राजधानी चंडीगढ़ है जो केन्द्रशासित प्रदेश है।

हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है, यहाँ के लोगों का खान–पान दूध–दही का है। यहाँ के लोग मेहनती और ईमानदार है। यहाँ के नौजवानों ने भारतीय सेना, स्वतंत्रता संग्राम और खेलों में भी जगह बनाई है। जब कोई भी क्षेत्र उन्नति करता है, तो उसके साथ–साथ अनेक प्रकार की समस्याएँ भी उत्पन्न होती है। हम आज के युवा की बात करें तो पूरे भारतवर्ष में नौजवान बेरोजगारी, नशाखोरी, अपराधग्रस्त रास्ते में भटकता

जा रहा है। हरियाणा प्रदेश की बात करें तो सोशल मीडिया के प्रभाव से कोई भी मुक्त नहीं है। युवा अच्छी बातों के संस्कार को अपनाने की बजाए हिंसा, अपराध, नशा, चोरी, आदि की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। यह एक गंभीर समस्या है। हमारे समाज को खोखला करता जा रहा। आप किसी भी दिन का अखबार की खबर न छिपी हो। ऐसे ही एक गाँव एक 34 वर्षीय नौजवानों की हत्या कर वारदात को अंजाम देने के बाद शव के पास ही गाड़ी में बैठकर शराब पीते रहें और अचानक गश्त करते पुलिस कर्मी जब मौके पर पहुँचे तो हत्यारों ने वहाँ पर से भागने के दौरान ए॰एस॰आई॰ और होमगार्ड पर कार चढ़ाने की कोशिश की।[3] इस प्रकार से नौजवान नशा कर अपराधों को जन्म दे रहे हैं। हरियाणा प्रदेश का आर्थिक विकास तो हुआ, साथ में अनेक समस्याएँ भी उत्पन्न हुई जिन पर प्रशासन कम ही ध्यान दे पाया जैसे– आरक्षण का मुद्दा, जात–पात, साम्प्रदायिक दंगे, लैंगिग भेदभाव, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, जल की समस्या, पर्यावरण प्रदूषण आदि है। हम जितनी उन्नति विज्ञान में करते जाते हैं, उतना ही प्रकृति से दूर होते जाते हैं। इन समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक होना महत्वपूर्ण है। हरियाणा में अनेक सामाजिक कार्य करने के लिए हैं जैसे– चोरी, हिंसा, नशा न करने के लिए लोगों को जागरूक करना और साम्प्रदायिक दंगों से दूर, भाई–चारा को बनायें रखना है। आपस में प्रेमभाव रखना पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना, प्रदेश में पेड़ों की कटाई रोकना व पौधारोपण का कार्य, जल संरक्षण और बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओं एवं उनको शिक्षित करना आदि।

इन सभी के प्रति केन्द्र सरकार व हरियाणा सरकार ने अभियान चलाएं है। इनके साथ–साथ अनेक सामाजिक संगठन भी कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार से हरियाणा में एक सामाजिक संगठन 'हरियाणा युवा शक्ति' है जो समाज में फैली अनेक बुराईयों के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा है।[4] इस संगठन के मार्गदर्शक, संरक्षक डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव जी (भाई जी) थे। डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के बारे में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "भाई जी ने युवाओं के भविष्य निर्माणार्थ अपना जीवन समर्पित किया है। युवा सशक्तिकरण हेतु उनके प्रयास सराहनीय है। मुझे आशा है कि वे अपने दृष्टिकोण व क्रियाक्लापों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे।"[5]

हरियाणा युवा शक्ति की स्थापना 1987 में डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के मार्गदर्शन में की थी।[6] इस संगठन से अनेक सामाजिक कार्यकर्त्ता जुड़े हुए हैं जो इस प्रकार है– हरियाणा युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष सुरेश राठी और राष्ट्रीय स्तर अखिल बख्शी, सत्यप्रकाश मार्गदर्शन करते हैं व अन्य सदस्य नरेन्द्र यादव (संयोजक), जयपाल मलिक, सुखबीर, सुरेश देशवाल, सुभाष बल्हारा, निशा, जगदीश चौधरी, माया मलिक, सुनील कुमार, मानव अंतिल, रजनी जांगड़ा, कृष्ण दुग्गल, विपिन महेशदास, गुरनाम संधु, अखिल बख्शी आदि ये संगठन पूरे हरियाणा के जिलों में कार्यरत हैं।[7]

हरियाणा युवा शक्ति के मार्गदर्शक डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के मार्गदर्शन में हरियाणा प्रदेश में शांति सदभावना रेलयात्रा, जेलों में अपराधियों को शांति संदेश, नशा और अपराध मुक्त बनाये प्रदेश, महिला सशक्तिकरण में सहयोग, पर्यावरण प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक किया और जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने आदि गतिविधियाँ डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव की हरियाणा प्रदेश में रही। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, राष्ट्रीय एकता, अखण्डता एवं सदभावना को मजबूत करने के लिए देश भर के लाखों नौजवानों को प्रेरित करने वाले गाँधीवादी विचारक डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के बारे में जानें।

परिचय – डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव

भाई जी' के प्रिय संबोधन से देश–दुनिया में लाखों के प्रेरणा स्रोत डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव में लोग आज के विषम दौर में गाँधीवाद की एक नई संकल्पना का साक्षात्कार करते थे। सत्ता व न्याय आधारित शांतिमय विश्व की स्थापना के लिए आजीवन समर्पित भाई जी का जन्म 7 फरवरी 1929 को बंगलौर में हुआ।[8] भाई जी बचपन में ही श्री रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानंद और महात्मा गाँधी से प्रभावित हुए। सुब्बाराव को 1942 में मात्र 13 वर्ष की अवस्था में 'भारत छोड़ो' आंदोलन में भाग लेने के कारण लॉकअप में बंद कर दिया गया था।[9] आजादी की लड़ाई के दौरान देश के जाने–माने नेता 'डॉ॰ एन॰एस॰ हार्डिकर' के नेतृत्व में 'हिन्दुस्तानी सेवा दल' के माध्यम से युवा प्रशिक्षणों की एक श्रृंख्ला चलाई।[10] कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के आग्रह पर घर परिवार के मोह–माया छोड़ कर भाई जी 'कांग्रेस सेवा दल' के माध्यम से राष्ट्र निर्माण अभियान में लग गए।[11] संविधान में सूचीबद्ध सभी भाषाओं के ज्ञाता और गीत–संगीत, सर्वधर्म प्रार्थना तथा

'भारत की संतान' एक अनूठा कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता हेतु लोगों को प्रेरित करने वाले सुब्बाराव ने 1951 से 1969 तक कांग्रेस सेवा दल के माध्यम से देश सेवा की।

पं॰ जवाहर लाल नेहरू, आर॰आर॰ दिवाकर, मौलाना आजाद, के॰ कामराज, लाल बहादुर शास्त्री आदि के सन्निकट रहकर भी सत्ता के बजाय समाज सेवा की राजनीति में भाई जी कूदे और शांति स्थापना में जुट गए।

गाँधी शांति प्रतिष्ठान के आजीवन सदस्य रहे भाई जी ने उस दौर के सर्वाधिक हिंसाग्रस्त चम्बल घाटी को अपना घर बना लिया। सुब्बाराव द्वारा स्थापित 'महात्मा गाँधी सेवा आश्रम जौरा' में ही विनोबा भावे, जयप्रकाश का हिंसा मुक्ति का 1972–76 में 654 (डाकू) बागियों के समर्पण के साथ साकार हुआ।[12] देश की आजादी के उपरांत भारत की अहिंसक–क्रांति की दूसरी बड़ी ऐतिहासिक घटना को अंजाम देने वाले सुब्बाराव ने 1970 में ही राष्ट्रीय युवा योजना की स्थापना की।[13] राष्ट्रीय युवा योजना (NYP) के युवा शिविरों के माध्यम से देश–दुनिया के लाखों लोगों को प्रशिक्षित कर सुब्बाराव ने रचनात्मक आंदोलन की एक नई पृष्ठभूमि तैयार की। दंगे, तूफान, भूकम्प, बाढ़, आतंकवाद, गरीबी, सामंती हिंसा, भ्रष्टाचार, जातिवाद, हर जगह आगे नजर आने वाले सुब्बाराव द्वारा प्रेरित एवं प्रशिक्षित शांति के सिपाही युवा आज सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक मिसाल बन चुके हैं। संस्थाओं, संगठनों, राजनैतिक दलों में द्वन्द्वों, संकीर्णताओं के दुष्परिणामों को देखते हुए भाई जी ने सत्ता, सम्पत्ति और प्रचार प्रसार से सर्वथा दूर रहकर सभी को जनसेवा का पाठ पढ़ाया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक, मानवीय विश्व शांति, सत्याग्रह जैसे वैश्विक मूल्यों को धरातल पर जीवन्तता प्रदान करने वाले भाई जी के प्रयासों ने एक नई जागृति पैदा की। इन्होंने सम्पूर्ण भारतवर्ष में सदभावना रेल यात्रा के माध्यम से शांति सद्भाव का लोगों को संदेश दिया। सुब्बाराव ने राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की पृष्ठभूमि तैयार कर समाज की मुक्ति के लिए जनआंदोलन करने वाले गाँधीवादी जन संगठन एकता परिषद् के सदस्य संग्रहालय, नेहरू युवा केन्द्रशासी बोर्ड के सदस्य, राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय मुम्बई के अध्यक्ष होने के साथ–ससाथ सर्व सेवा संघ, शांति सेना, कस्तूरबा गाँधी मैमोरियल ट्रस्ट, सेवाग्राम आश्रम, इंडियन कमेटी ऑफ आर्गेनाइजेशन से सक्रियता से जुड़े हैं।

इस प्रकार से भाई जी पूरे भारत वर्ष में संगठनों से जुड़े थे इसी तरह से हरियाणा प्रदेश में भी सुब्बाराव जी का समय–समय पर आना और युवाओं का मार्गदर्शन करना। डॉ॰ सुब्बाराव हरियाणा युवा शक्ति के माध्यम से हरियाणा में सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे।

शांति सद्भावना भाईचारा का प्रचार–प्रसार

सद्भावना रेल यात्रा

सद्भावना रेल यात्रा की टीम पूर्ण रूप से अपनी तैयारी कर चुकी थी, जिसमें अनेकता में एकता के सिद्धान्त की तस्वीर में जीने की कोशिश थी। सद्भावना रेल यात्रा ने मूल रूप से योजना के अनुसार 5 अक्तूबर 1993 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करनी थी।[14] लेकिन महाराष्ट्र में भूकम्प के कारण 8 अक्तूबर 1993 तक इसे स्थगित कर दिया गया।

इस दौरान डॉ॰ सुब्बाराव सद्भावना युवकों के साथ नई दिल्ली से साधारण ट्रेन पकड़कर हरियाणा प्रदेश के पानीपत और कुरूक्षेत्र जिलों का दौरा किया। सद्भावना यात्रा के इन तीन दिनों के बारे में हरियाणा युवा शक्ति के प्रधान सुरेश राठी ने बताया कि, "भाई जी और उसके सद्भावना युवा साथियों को बड़ी संख्या में स्थानीय मित्रों, गैर सरकारी संगठनों द्वारा शानदार स्वागत किया था।"[15] इस यात्रा के दौरान सद्भावना के युवाओं ने स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों एवं कुरुक्षेत्र और पानीपत के ऐतिहासिक युद्ध क्षेत्रों का दौरा किया तथा कुरुक्षेत्र में विशेष प्रार्थना की एवं खुद को भारत माता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। शाम को सर्वधर्म प्रार्थना में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और सद्भाव को सार्थक किया।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने 8 अक्तूबर 1993 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 'मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह' रेल मंत्री श्री जाफर शरीफ और बड़ी संख्या में दोनों अधिकारियों की उपस्थिति में झंडी दिखाकर सद्भावना रेल यात्रा को रवाना किया।[16] सद्भावना रेल यात्रा का पहला पड़ाव हरियाणा के अम्बाला रेलवे स्टेशन पर बड़े जोर–शोर के साथ स्वागत किया और यात्रा का शुभारंभ सुबह ध्वजारोहण के साथ श्री अर्जुन सिंह ने किया।[17]

अम्बाला स्टेशन पर यहाँ के युवाओं का नेतृत्व हरियाणा सरकार के मंत्री और पंजाब के मंत्री ने किया। शाम को सर्वधर्म प्रार्थना की और सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भारत की संतान का आयोजन किया और शांति सद्भावना, राष्ट्रीय एकता, आपसी भाईचारा को बनाए रखने का दिया संदेश। ऐसे ही पूरे भारतवर्ष में सद्भावना रेलयात्रा ने शांति का संदेश दिया और आखिर में दोबारा हरियाणा प्रदेश के रोहतक जिले में पहुँची। रोहतक रेलवे स्टेशन से सद्भावना युवाओं ने साईकिल मार्च कर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पहुँचे। यहाँ पर सद्भावना युवाओं का भव्य स्वागत और सुब्बाराव ने विश्वविद्यालय के युवाओं को दिया शांति, भाईचारा का संदेश और यहाँ से सद्भावना यात्रा वापिस दिल्ली पहुँची।

युवाओं को दिया शांति संदेश

सर्वोदय, गाँधीविचार एवं चम्बल घाटी में बागी समर्पण के प्रणेता डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव युवाओं को कहते हैं, आज अरूणाचल शांत है, इसलिए बेफिक्र न हो, मणिपुर भी शांत था, लेकिन आज हालात खराब है। चीन निगाहें लगाये हुए हैं, हमें मणिपुर से सबक लेना चाहिए। आतंकवाद की आग से झुलस रहे असम के बारे में उल्फा से बातचीत हुई है। इसमें कुछ आत्मसम्मान का मामला है। गणतंत्र भारत का निर्वाचन एक सुखद और आश्चर्य युक्त अवसर है इसका भरपूर उपयोग करना हर व्यक्ति का धर्म है। खासतौर से नौजवानों से अपील है। वह खुद को महत्वपूर्ण देश निर्माता समझे और स्वर्णिम एवं भव्य भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़े जाति, वर्ण, धर्म, भाषा और क्षेत्रवाद के आधार पर कार्य न करें बल्कि देश निर्माण के लिए कार्य करें।

यमुनानगर में महाराजा अग्रसेन जयंती पर हुए कार्यक्रम में डॉ॰ सुब्बाराव का स्वागत किया। यहाँ पहुँचे लोगों को सम्बोधित करते हुए भाई जी ने कहा कि, "युवाओं को नई दिशा दे ताकि समाज में सुधार हो सके और भाई–चारे का संदेश पूरी दुनिया में फैलाये।"[18] समाज में शांति की स्थापना तभी संभव है जब व्यक्ति भावनात्मक समानता एवं आत्मसंतोष को प्राप्त कर लेंगे। शांति की प्राप्ति प्रत्येक युवा का भावनात्मक एवं क्रियात्मक लक्ष्य होना चाहिए। सोनीपत के आपदा प्रबंधन भवन में आयोजित सद्भावना एवं पुलिस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित कर भाई जी ने कहा कि, "अपराधियों एवं असामाजिक तत्त्वों से गाँधीगिरी की नीति से निपटने की आवश्यकता है, वर्तमान की पुलिस स्वतंत्र भारत की पुलिस है। यह ब्रिटिश शासन की पुलिस नहीं है, जिनका उद्देश्य ही भारत की जनता को दबाना और तोड़ना था।"[19]

सुब्बाराव का मानना था युवाओं को सामाजिक परिवर्तन करने में सहयोग करना चाहिए। वे हमेशा चाहते थे कि सामाजिक परिवर्तनों, समाज में फैली कुरीतियों, बाल– विवाह, अस्पृश्यता जाति व्यवस्था के उन्मूलन के विरूद्ध युवा आवाज उठाए।

सुब्बाराव ने कहा था कि, "विश्व में 117 देशों को गाँधी जी की नीति से आजादी मिली।"[20] गाँधीवाद का असर पूरे विश्व में देखने को मिल रहा है। इसी कारण भारत की आजादी के बाद नेल्सन मंडेला से लेकर कई नेताओं तक ने गाँधीवाद को अपनाया। भाई जी ने 'भारत–पाकिस्तान' धर्म के आधार पर विभाजन पर कहा कि, "विश्व में धर्म से ज्यादा भाषा के आधार पर विभाजन हुआ है।"[21] धर्म के नाम पर पाकिस्तान में बांग्ला के बदले जिन्ना द्वारा उर्दू को जोर–जबरदस्ती से लागू करने की कोशिश की गई। इसी कारण ही मुनीबुर्रहमान के नेतृत्व में पाकिस्तान एवं पूर्वी पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ व भाषा के नाम पर पूर्वी–पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया। श्रीलंका में वैसे तो बौद्ध, हिन्दू, ईसाई, मुसलमान जैसे कई धर्म के लोग रहते हैं, लेकिन 'तमिल एवं सिंघली' भाषा के बीच हो रहे संघर्ष के कारण एक लाख से ज्यादा लोगों की 10 साल के अंदर मौत हो चुकी है। इस प्रकार सुब्बाराव ने बताया कि, "भारत में नौजवानों में बढ़ रही बेरोजगारी, गरीबी व फैले भ्रष्टाचार, नशा का सेवन आदि से चिंतित हूँ। इन बीमारियों से भारत माता को मुक्त कराने के लिए और मातृभूमि को धर्म जाति, भाषा क्षेत्र आदि के बंटवारे से ऊपर उठकर एक अखण्ड भारत बनाने का संदेश लेकर जाएं।"[22]

आज हमारा समाज सांस्कृतिक एवं राजनीतिक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। इन सामाजिक परिवर्तनों को सही दिशा देने में गाँधी विचारधारा एवं उनका दर्शन हमारे युवाओं के मार्ग दर्शक होने चाहिए। गाँधीजी को आदर्श बनाकर सामाजिक परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

नशा और अपराध मुक्त बनाये प्रदेश

नशा और अपराध मुक्त बनाएं प्रदेश का संकल्प अनेक सामाजिक संगठनों ने 'मानसरोवर पार्क, रोहतक' में हवन–यज्ञ कर आहुति दी। इस कार्यक्रम का आयोजन सुब्बाराव द्वारा निर्देशन 'हरियाणा युवा शक्ति' संगठन द्वारा किया गया। इस दौरान सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने 'अखिल भारतीय नशाबंदी परिषद्' के महासचिव 'महावीर त्यागी' के नेतृत्व में जिला उपायुक्त डॉ॰ यश गर्ग के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।[23] इस दौरान सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मांग उठाई कि चुनाव के समय पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। उपायुक्त यश गर्ग ने युवाओं से नशे जैसी बुरी प्रवृत्तियों से दूर रहने का आह्वान किया।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के छात्र एवं युवा कल्याण कार्यालय के तत्वाधान में संचालित यूथ सैंटर फॉर स्किल डिवेल्पमेंट से प्रशिक्षण प्राप्त सशस्त्र सेना में चयनित 5 विद्यार्थियों को सम्मानित कर हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि, "वर्तमान परिवेश में गाँधीवादी विचारधारा का अनुसरण कर युवा वर्ग समाज में उच्च मूल्यों को स्थगित कर सकता है और डॉ॰ राम जी ने शिक्षा के नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता है, पर बल दिया।"[24]

मूल्य परिवर्तन करना ही क्रांति है–

भाई जी को 'भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया। सुब्बाराव ने छात्राओं को संबोधित कर कहा कि, "मूल्य परिवर्तन करना ही क्रांति है, रक्त बहाना नहीं।"[25] अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। नौजवान देश की असली दौलत, इज्जत और ताकत है। भाई जी ने कहा कि, "जीवन में कभी भी आदत के गुलाम न बने, बल्कि स्वयं नियंत्रण के द्वारा उसके मालिक बनें।"[26] देश की एकता एवं अखंडता तथा नव–निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे बड़ी ताकत है और यह शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। इस असीम ताकत का इस्तेमाल समुचित ढंग से करने की जरूरत है। हमारा इतिहास युवाओं के देश के प्रति समर्पण, देशभक्ति तथा देश के प्रति सब कुछ न्यौछावर कर देने की घटनाओं से भरा हुआ है। जब भी देश के ऊपर संकट के बादल छाये हैं। देश के युवाओं ने एकजूट होकर संकट का सामना किया है। हमारे सामने अनेक चुनौतियाँ हैं, जिनमें से बहुत–सी चुनौतियाँ बाहरी है, तो बहुत–सी आंतरिक है। देश के युवाओं को जागृत होना चाहिए और अपनी शक्ति से देश में फैली तमाम बुराईयों को दूर कर सकें। जिला कारागार रोहतक में हरियाणा युवा शक्ति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बंदियों से रूबरू हुए डॉ॰ सुब्बाराव ने कहा कि, "हरियाणा के युवाओं में कई संभावनाएँ है। अगर कमी है तो उन्हें सही राह दिखाने वालों की।" इस दौरान भाई जी ने कहा कि, "कोई भी इंसान अपनी माँ की कोख से अपराधी पैदा नहीं होता उसकी परिस्थितियाँ या उसके आस–पास का माहौल उसे अपराध में धकेल देता है।"[27] कारागार के सभी कैदियों व बंदियों को अपने जीवन में मानसिक बदलाव लाने का आह्वान कर कहा अपने विचारों पर काबू पाकर सकारात्मक सोच से कार्य करें। किसी के प्रति कड़वाहट पालकर हम भी कड़वे हो जाते हैं। जीवन में बदले की भावना से कभी कोई कार्य नहीं करना चाहिए। भाई जी ने गाँधी जी के बताए रास्ते पर चलकर देश को तरक्की की राह पर ले जाने की अपील की।

लाठी और गोली से मीठी बोली ज्यादा ताकतवर होती है। समाज में कोई भी बदलाव लड़ाई–झगड़े व बंदूक के बल पर नहीं हो सकता इसके लिए विचारों की क्रांति ज्यादा जरूरी है। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि एवं स्पेशल ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट 'महेन्द्र सिंह धनखड़' ने आह्वान किया कि, "होली के पवित्र अवसर पर कम से कम एक बुराई अवश्य छोड़ दें।"[28] कार्यक्रम में अनाथालय के बच्चों द्वारा शांति पाठ व मंत्रों का उच्चारण किया गया।

महिला सशक्तिकरण में सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शहर की महिलाओं ने जहाँ नारी उत्पीड़न के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन निकाला, वहीं बेटियों व महिलाओं को सम्मान देने के लिए दर्जन भर समारोह भी हुए। कहीं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तो कहीं ज्वलंत मुद्दों पर प्रतियोगिता तो कहीं संकल्प अभियान चलाया गया। समाज में लैंगिक संवेदनशीलता स्थापित करने महिलाओं के खिलाफ हिंसा की रोकथाम एवं महिलाओं को समाज में सम्मान का स्थान दिया जाए। इस सामूहिक शपथ के साथ 'महर्षि दयानंद

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग' में महिला दिवस के अवसर पर 'पंडित बी॰डी॰ शर्मा युनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंस" की जनसंपर्क अधिकारी सीमा ने कहा कि, "महिलाओं के खिलाफ हिंसा के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए महिलाओं को मुखर होना होगा।"[29] पत्रकारिता विभाग की अध्यक्ष डॉ॰ सरोजनी नांदल ने कहा कि, "महिलाओं का सशक्तिकरण का रास्ता शैक्षणिक प्रगति के जरिये तय होता है।"[30]

महिला दिवस के मौके पर जिला कानूनी सेवाएँ प्राधिकरण, हरियाणा युवा शक्ति एवं महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में कॉलेज के सभागार में 'महिला हिंसा एवं अपराधमुक्त समाज' का निर्माण को लेकर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव थे। न्यायाधीश मेहता ने कहा कि, "महिला बहुत ही अच्छी प्रबंधक होती है, लड़कियों की पढ़ाई के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने आपको असहाय न समझे और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की तरह समाज में फैली बुराईयों से आगे बढ़कर लड़े।"[31] भाई जी ने कहा कि, "आज हमें एक ऐसे भारतवर्ष का निर्माण करना चाहिए, जिसमें सभी चरित्रवान बने और कोई दुर्बल न रहे।"[32] पंडित बी॰डी॰ युनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंस में नर्सिंग कॉलेज में महिला दिवस पर 'राज्य बाल–कल्याण परिषद्' की उपाध्यक्ष आशा हुड्डा ने कहा कि, "महिलाएँ इस दुनियाँ को बदलने का हौंसला रखती है, जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन मिलने की।"[33] छात्राओं में जोश भरते हुए उन्होंने कहा वे हर मुश्किल कार्य करने में सक्षम है।

सुब्बाराव के मार्गदर्शन में गाँव निंदाना गौरव दिवस एवं सम्मान समारोह मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य यशपाल, आचार्य बलबीर, महेन्द्र धनखड़, सुरेश राठी और 'बेटी बचाव' अभियान की संयोजक पूनम, प्रवेश, मंजू आर्या और प्रो॰ सुमेधा धानी द्वारा बेटी बचाव, बेटी पढ़ाओं प्रदर्शनी का आयोजन किया तथा समस्त ग्रामीणों द्वारा हवन में आहुति डाली गई।[34] इस कार्यक्रम का उद्घाटन 'पदमश्री संतोष यादव' एवं विद्या सांगवानके द्वारा किया गया।[35] इस अवसर पर भाई जी ने 'बेटी बचाओं व बेटी पढ़ाओ' का अवलोकन कर महिला शक्ति से अवगत करा कर दिया संदेश।[36]

साथ में पर्यावरण के बारे में बताया और किया पौधारोपण तथा गाँव से शिक्षा व खेल से जुड़ी युवा प्रतिभाओं का सम्मान। डॉ॰एस॰एन॰ सुब्बाराव समय–समय पर हरियाणा में आते रहें। युवाओं को सही दिशा–निर्देशन करते रहें। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को बढ़ाने में सहयोग दिया।

नशा भगाओं– पौधे लगाओं– जल बचाओं अभियान

इस अभियान की शुरूआत '4 अगस्त 2018' से महम चौबीसी के चबूतरे से प्रदेश भर के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के सहयोग से 'राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग' के चेयरमैन आर॰बी॰ सिंह व दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर हरीश शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ॰ अंशु सिंगला के कर–कमलों से पौधा लगाकर शुरू किया गया।[37] इस अवसर पर सुरेश राठी ने बताया कि, "पर्यावरण शिक्षा का पाठ सीखकर 'पर्यावरण मित्र' अच्छे नागरिक की भूमिका निभाने से ही प्राकृतिक प्रकोपों से बचा जा सकेगा।"[38] यहाँ पर पहुँचे सभी लोगों को एक–एक पौधा वितरित किया गया। वर्तमान में स्थिति यह कि पर्यावरण को नुक्सान पहुँचाने वाली हानिकारक गैसों का उत्सर्जन किया जा रहा है और मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए संसार भर में बड़े पैमाने पर वनों का सफाया किया जा रहा है। राठी ने बताया कि हमारा संगठन समाज–कल्याण हेतु लगातार कार्य कर रहा है और हमारा उद्देश्य है अधिक से अधिक पौधे लगाएं जाए। उनका संरक्षण अच्छी तरह से हो। हमें पीने के पानी का दुरुपयोग रोकना होगा। जल संरक्षण करने पर जोर देना होगा। राठी ने बताया कि, "इसलिए हमें यह अभियान 'नशा भगाओं–पेड़ लगाओं– जल बचाओं' की शुरूआत की हैं।[39]

जल चेतना यात्रा

लोगों में जल–संरक्षण के प्रति जागृति लाने के लिए 11 जनवरी 2003 एस॰वाई॰एल॰ मामले को सामाजिक आंदोलन बनाने के लिए युवा शक्ति हरियाणा और पंजाब द्वारा आयोजित 'कन्हैया जल चेतना यात्रा' आनंदपुर साहेब से लेकर गाँधी समाधि राजघाट तक पहुँची।[40] यात्रा के संयोजक सुरेश राठी ने बताया कि, "यात्रा के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के बारे में जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।"[41] यात्रा के दौरान जनता से दोनों राज्यों के बीच जल समस्या के समाधान में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। हरियाणा के किसानों के सामने आ रही पीने के पानी और सिंचाई के जल की समस्याओं के बारे में पंजाब के लोगों को अवगत करायें।

जल पुरुष राजेन्द्र सिंह राणा डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव को अपना सामाजिक गुरू मानते हैं। वह महम उपमंडल के गाँव निंदाना में ग्रामीणों से मिले और पानी बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा भले ही इस इलाके में पानी की कमी नहीं है लेकिन पीने के पानी का अभाव है। भूमिगत पानी खारा हो चुका है। जिस से खेत पैदावार नहीं देते और पीने के पानी का अभाव बना हआ है। राणा ने सलाह दी कि भूमि को पानीदार बनाए रखने के लिए उसे रिचार्ज करते रहें। ऐसा करने से जिस जमीन में पानी खारा है। वह पानी भी मीठा हो जाएगा।

इसके लिए अपने इलाके में रिचार्ज सेंटर बना लें। जहाँ पर फालतू पानी को रोक लिया जाएगा तो पानी जमीन के अंदर चला जाएगा और पानी मीठा, बढ़िया व भरपूर होगा। राजेन्द्र राणा ने बताया कि, "देश में कुछ लोग पानी का बाजार बढ़ाना चाहते हैं, ऐसे लोग जल बचाने के लिए नीतियाँ नहीं बनने देते। वे पानी बेचकर दौलत कमा रहे हैं। वे और अधिक दौलत कमाने के चक्कर में इस काम में अड़ंगा डाल रहे हैं। देश में पानी बचाने की मुहिम में यह एक बहुत बड़ी बाधा है।"[42] राजेन्द्र राणा व डॉ॰ सुब्बाराव जी हरियाणा प्रदेश में समय–समय पर आते रहे हैं और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते रहें हैं। चाहें वह पौधे लगाने हो या जल बचाओं की बात हो। युवाओं को दिशा–निर्देशन देते रहें हैं।

डॉ॰ सुब्बाराव ने महम चौबीसी के ऐतिहासिक चबूतरे से दिया शांति संदेश और कहा कि, "समाज आपसी सद्भाव का प्रतीक है और सभी एकजूट और शांतिपूर्वक रहें। हिंसा किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं है।"[43] इस दौरान चौबीसी के चबूतरे से लेकर आजाद चौक महम तक सद्भाव रैली निकाली और दिया शांति का संदेश। रोहतक आरक्षण दंगों में छिपती फिरी पुलिस को गाँधीवादी डॉ॰ सुब्बाराव ने सद्भावना का पाठ पढ़ाया। पुलिस लाईन रोहतक में भाई जी ने कहा कि, "हरियाणा में पिछले दिनों जो हुआ वह निंदनीय है। शांति की अपील के साथ आगे बढ़ना चाहिए, ताकि सभी प्रेमभाव के साथ रह सकें।"[44] शांति के मार्ग पर चलकर ही देश और प्रदेश का विकास संभव है। गाँव गिरावड़ के बाबा गिरधारी दास विद्यामंदिर में डॉ॰ सुब्बाराव ने शांति और सद्भावना का संदेश दिया और स्कूल के वार्षिक उत्सव में बच्चों के साथ 'हम बच्चे हिन्दुस्तान के' गीत गाया, 18 भाषाओं में शांति का संदेश दिया।[45] किसी राष्ट्र की सबसे अमूल्य निधि उसके बच्चे हैं।

राष्ट्रीय एकता सदभावना एवं शांति युवा शिविर डॉ॰ सुब्बाराव ने देश के कोने–कोने में लगाये हैं। ऐसे ही हरियाणा प्रदेश में भी युवा शिविर लगाये हैं, जैसे– 2015 में यमुनानगर, 2010 रोहतक, कुरुक्षेत्र, गुरूग्राम, फरीदाबाद, करनाल, महेन्द्रगढ़, सिरसा आदि जिलों में भाई जी ने NYP के शिविर लगाये। रोहतक शहर के युवाओं के साथ विशेष लगाव रहा हैं। सुब्बाराव ने एक शिविर में कहा था कि, "भारत की संस्कृति महान् है। विदेशी भी हमारी संस्कृति के कायल है। जो काम हम हथियारों से नहीं कर सकते वह एकता व सद्भावना से किया जा सकता है।"[46] हम सभी को मिलकर अखण्ड भारत बनाना होगा देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए सभी देशवासियों को एक दूसरे राज्य की भाषा सीखनी होगी। सायंकाल को सर्वधर्म प्रार्थना सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाए। पौधारोपण भी शिविर में श्रमदान के समय किया जाए।

भाई जी का चौधरी रणबीर सिंह के साथ विशेष लगाव था। उनके परिवार वाले चौधरी रणबीर सिंह जयंती मनाते हैं तो वे भाई जी को वहाँ सर्वधर्म प्रार्थना कर शांति का संदेश देते थे। उसके बाद सभी कार्यक्रम किये जाते थे। चौधरी रणबीर सिंह सही मायने में गाँधीवादी थे। वे व्यवहारिक व पारिवारिक जीवन में जीवनपर्यन्त गाँधीवादी मूल्यों का पालन करते रहें। आजादी के बाद प्रदेश व देश के स्वतंत्रता सेनानियों को उनके हकों को दिलाने की लड़ाई लड़ी।

भूपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि, "चौधरी रणबीर सिंह जैसे विभूतियों से प्रेरणा लेकर युवा वर्ग अपने जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।"[47] चौधरी रणबीर सिंह ने गाँधी शताब्दी पर गाँधी प्रदर्शनी रेल यात्रा में भाग लिया था। संसद में स्वतंत्रता सेनानियों के हक की आवाज उठाई। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि, "रणबीर सिंह हुड्डा आर्य समाज विचारधारा के मुख्य स्रोत थे। उन्होंने जीवन भर नैतिक मूल्यों और आदर्शों पर आधारित राजनीति की। उन्होंने पूरा जीवन किसान, मजदूर व समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को उनके हक दिलाने में लगा दिया।"[48] कार्यक्रम में डॉ॰ सुब्बाराव ने सर्वधर्म प्रार्थना कर रणबीर सिंह को पुष्पांजलि दी।

निष्कर्ष

डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के बारे में प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने कहा था कि, "श्री सुब्बाराव ने भारत में युवा शक्ति को सक्रिय करने की दिशा में अतुलनीय योगदान दिया है।"[49] इस प्रकार से भाई जी पूरे भारत वर्ष के राज्यों में भ्रमण करते रहते थे। वैसे ही हरियाणा प्रदेश में भाई जी ने अनेक गतिविधियों में भाग लिया और युवाओं का मार्गदर्शन किया। सुब्बाराव के मार्गदर्शन में हरियाणा युवा शक्ति ने अनेक सामाजिक कार्यक्रम किये। इस संगठन ने अनेक मुहिम चलाई और ज्ञापन मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति व राज्यपाल को भी दिये और हरियाणा में सामाजिक समस्याओं से अवगत करवाया है। यह सब डॉ॰ एस॰एन॰ सुब्बाराव के निर्देशन से किया जाता था। करोना काल में भी किसान आंदोलन में प्रशिक्षित युवाओं ने कार्य किया। भाई जी ने आशीर्वाद व दिशा–निर्देशन तथा शांति के लिए सर्वधर्म प्रार्थना की।

सुझाव

सुब्बाराव द्वारा किए गए शांति एवं सद्भावना के कार्य एवं सुब्बाराव द्वारा दिए गए निर्देशों को उजागर करना।

संदर्भ एवं टिप्पणी

1. यादव, के॰सी॰, *हरियाणा : इतिहास एवं संस्कृति,* 1982, पृ॰ 8
2. वही, पृ॰ 8
3. दैनिक जागरण, 15.09.2021, हरियाणा हिसार
4. राठी, सुरेश, हरियाणा युवा शक्ति के प्रधान, साक्षात्कार।
5. निर्दलीय, भोपाल, अखबार, 8 फरवरी, 2017, पृ॰ 8
6. राठी, सुरेश, हरियाणा युवा शक्ति के प्रधान, साक्षात्कार।
7. वही,
8. निर्दलीय, भोपाल, अखबार, 8 फरवरी, 2017, पृ॰ 8
9. वही
10. सिद्धु, गुरूदेव सिंह, *2019, मेरी जीवन माला के मोती,* पृ॰ 23
11. वही, पृ॰ 25
12. सिद्धू, गुरूदेव सिंह, *उपरोक्त,* पृ॰ 87
13. वही, पृ॰ 87
14. भरूचा, लिस्सी, 1995, *गुडविल ऑन व्हीलज,* नई दिल्ली, पृ॰ 7
15. राठी, सुरेश, हरियाणा युवा शक्ति के प्रधान, साक्षात्कार।
16. भरूचा, लिस्सी, *उपरोक्त,* पृ॰ 8
17. वही, पृ॰ 8
18. जगाधरी, भास्कर, 14.10.2015, समाचार–पत्र
19. दैनिक जागरण, सोनीपत, 30 सितम्बर 2013, समाचार–पत्र
20. रोहतक भास्कर, 6 मई 2015, समाचार–पत्र
21. वही
22. अमर उजाला, यमुनानगर, 09.10.2015
23. दैनिक जागरण, रोहतक, 06.04.2019
24. पंजाब केसरी, रोहतक, 27.09.2013
25. दैनिक भास्कर, सोनीपत, 21.03.2013
26. वही
27. युवा संस्कार, नं॰ 4, 2011 व 2012, NYP
28. युवा संस्कार, नं॰ 4, 2011 व 2012, NYP
29. दैनिक भास्कर, 913/2013, रोहतक समाचार–पत्र
30. वही
31. वही

32. वही
33. वही
34. हरिभूमि, 06.05.2015 रोहतक
35. वही
36. वही
37. राठी, सुरेश, हरियाणा युवा शक्ति के प्रधान, साक्षात्कार
38. वही
39. वही
40. रोहतक भास्कर 12.01.2003 समाचार–पत्र
41. वही
42. हरिभूमि रोहतक, समाचारपत्र
43. अमर उजाला, 23.03.2016 रोहतक अखबार
44. वही
45. वही
46. यमुनानगर भास्कर, 10.10.2015 समाचार–पत्र
47. हरिभूमि रोहतक, अखबार
48. वही
49. निर्दलीय, भोपाल, 25.02.2018 पृ॰ 8